समावेशी शिक्षा

B.Ed 2nd year

14/04/2020
Tuesday

Unit – II

Topic – मस्तिष्क पक्षाघात (Cerebral Palsy)

यह सर्वथा सत्य है कि यदि विकलांग बच्चों को समुचित देखभाल एवं प्रशिक्षण दिया जाए, तो वे समाज के योग्य सदस्य बन सकते हैं। ऐसी बहुत सारी संस्थाएं हैं, जहाँ विकलांग बच्चों को प्रशिक्षण दिया जाता है, परन्तु आज भी 'सेरेब्रल पाल्सी' से ग्रसित बच्चों के पुनर्वास केन्द्रों की कमी है।

मस्तिष्क पक्षाघात का अर्थ

'मस्तिष्क पक्षाघात' जिसे 'सेरेब्रल पाल्सी' भी कहते हैं। यह एक 'मस्तिष्क सम्बन्धी' विकार है। यह विकार विकसित होते मस्तिष्क के संचलन नियन्त्रण केन्द्र में हुई किसी क्षति के कारण होता है। यह बीमारी मुख्यतः गर्भधारण (75%) जन्म के समय (5%) तथा 3 वर्ष की आयु के बच्चों को होती है। इस बीमारी को सर्वप्रथम अंग्रेजी सर्जन 'विलियम लिटिल' ने '1860' में पहचाना था।

रोग होने के कारण

1. – गर्भावस्था में माँ को संक्रमण होने के कारण।
2. – माँ व बच्चे के रक्त समूह का न मिलना।
3. माँ के गर्भ में बच्चे का असामान्य अनुवांशिक विकास।
4. नवजात शिशु का पीलिया। अन्य किसी संक्रमण से ग्रसित हो जाना।

Scanned with CamScanner

मस्तिष्क पक्षाघात के प्रकार

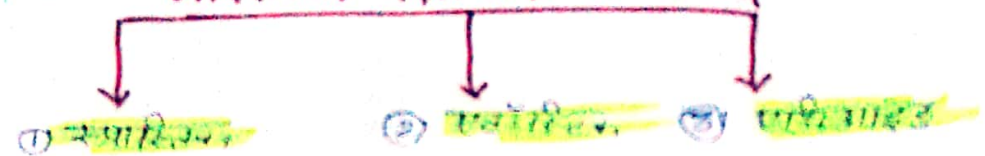

(1) स्पास्टिक (2) एथेटॉइड (3) एटैक्साइड

मस्तिष्क पक्षाघात के उपचार

(1) भौतिक चिकित्सा द्वारा।
(2) बोटॉक्स इन्जेक्शन के प्रयोग द्वारा।
(3) फिजियोथेरेपी उपचार द्वारा।
(4) सहानुभूति पूर्ण व्यवहार / विशिष्ट सेवाएँ।

अधिगम अक्षमता

[Learning Disabilities]

"ऐसे बालक जो सीखने की दृष्टि से बहुत अधिक असमर्थ या अक्षम होते हैं।"

अधिगम अक्षम बालकों की विशेषताएँ

1 - सीखने में कठिनाई।
2 - संवेगिक अस्थिरता।
3 - समायोजन में कठिनाई।
4 - अवधान में कमी।
5 - मानवीय कौशलों का अभाव।
6 - निर्देशों का पालन करने में असमर्थ।
7 - अनावश्यक उत्तेजना।
8 - लिखने - पढ़ने में कठिनाई का अनुभव।
(9) गणितीय कौशलों के अर्जन में कठिनाई।

Scanned with CamScanner

अधिगम अक्षमता के तत्व

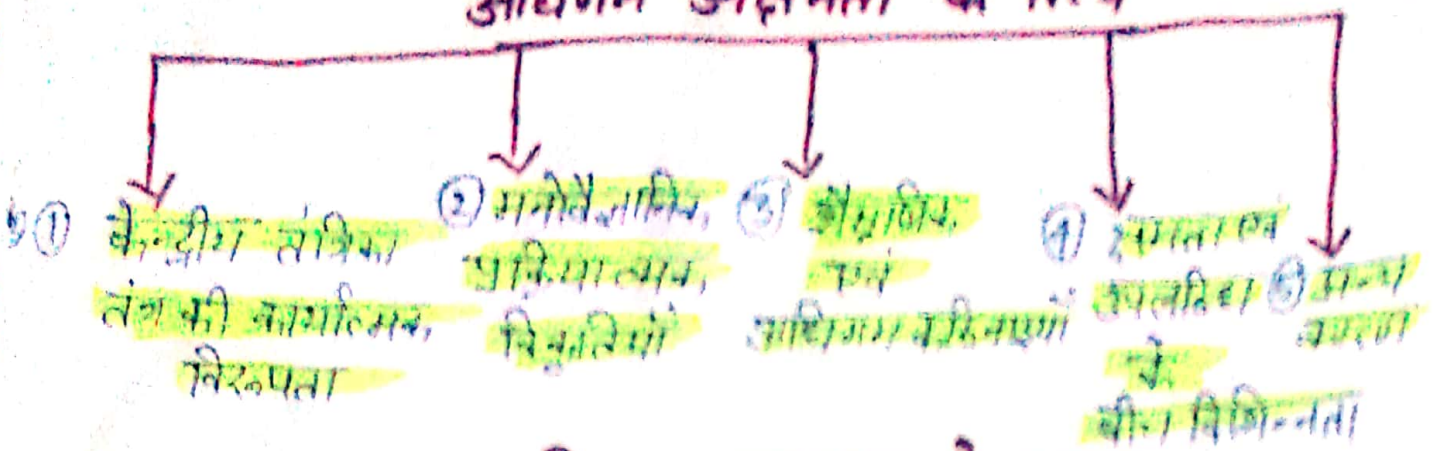

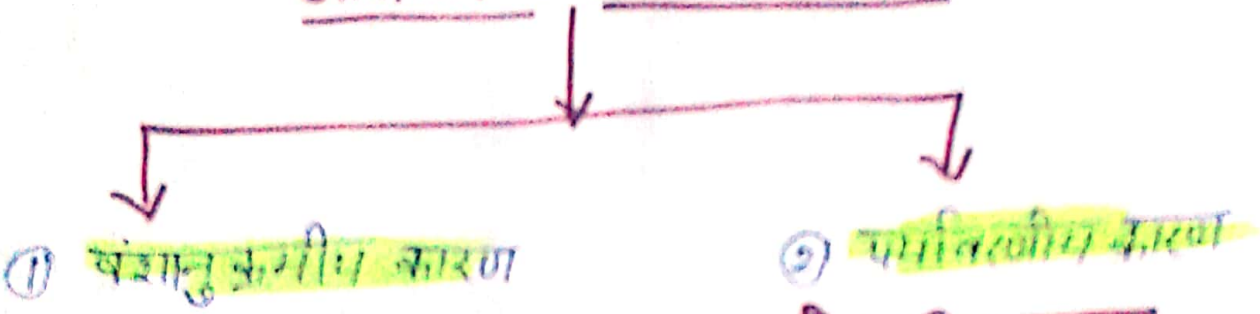

1. केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र की कार्यात्मक निरूपता
2. मनोवैज्ञानिक, प्रक्रियात्मक, विकृतियों
3. शैक्षिक एवं अधिगम परिणामों
4. क्षमता एवं उपलब्धि के बीच विभिन्नता
5. अन्य कारण

अधिगम अक्षमता के कारण

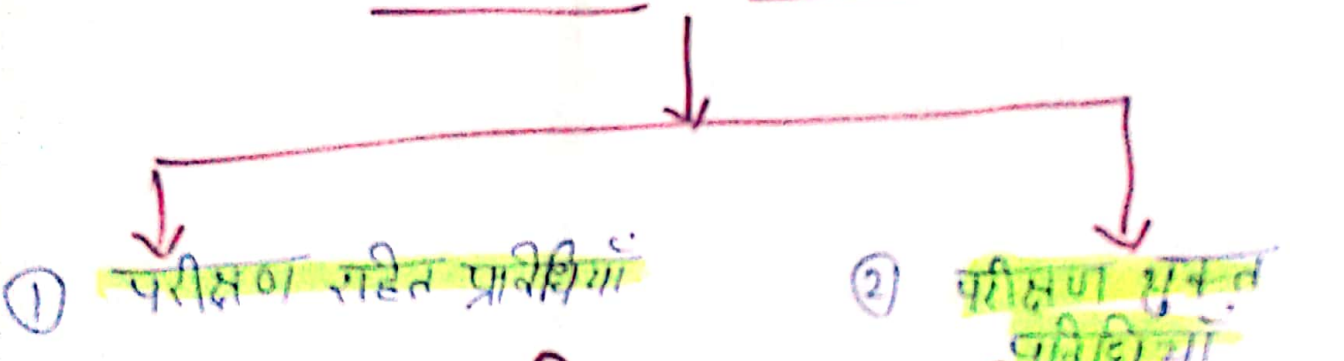

1. वंशानुक्रमीय कारण
2. पर्यावरणीय कारण

अधिगम अक्षम बालकों की पहचान

1. परीक्षण सहित प्रविधियाँ
2. परीक्षण मुक्त प्रविधियाँ

अधिगम अक्षम बालकों की शिक्षा

1. सामान्य विद्यालयों में शिक्षा की व्यवस्था।
2. योग्य / कुशल / प्रशिक्षित अध्यापकों की व्यवस्था।
4. दृश्य - श्रव्य साधनों / रोचक विधियों से पढ़ाया जाना।
5. सहानुभूति / सहयोग पूर्ण व्यवहार।
6. उपचारात्मक शिक्षा विधि।
7. शैक्षिक खेल उपलब्ध कराना।

B.R.C. Deoband

AMIABc- Sapna Tyagi